



नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 312
दि. 16.03.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

यूपी दयोगा परीक्षा में पंडित वाले विवाद पर पहली बार बोले सीएम योगी, 'किसी भी जाति-पंथ का अपमान न करें'

सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'पंडित' विवाद पर बड़ा आदेश देते हुए सभी भर्ती बोर्ड्स के अध्यक्षों को कहा है कि किसी भी व्यक्ति/जाति/पंथ/संप्रदाय की मर्यादा और आस्था के बारे में अमर्यादित टिप्पणी ना करें। (जीएनएस)। लखनऊ: उत्तर प्रदेश में दयोगा परीक्षा में एक

सवाल ने प्रदेश में भूचाल ला दिया है। अवसर के अनुसर बंदल जाने वाले सवाल में विकल्प के तौर पर पंडित ऑप्शन डालने पर बवाल मचा हुआ है। यहा तक कि योगी सरकार के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी इसे गलत ठहराते हुए इसकी निंदा की है। बंदल विवाद के बीच अब सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहली बार इस पर अपनी बात कही है।

सीएम योगी ने सभी भर्ती बोर्ड्स के अध्यक्षों को किसी जाति, पंथ और संप्रदाय की मर्यादा का ख्याल रखते हुए अमर्यादित टिप्पणी ना करने को कहा है। पंडित वाले विवादित सवाल पर सीएम योगी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी भर्ती बोर्ड्स के अध्यक्षों को कहा है कि किसी भी व्यक्ति/जाति/पंथ/संप्रदाय की

मर्यादा और आस्था के बारे में अमर्यादित टिप्पणी ना करें। इससे पहले डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी इसपर ऐतराज जता चुके हैं। क्या है असल विवाद? यूपी में 14 और 15 मार्च को दयोगा यानी उत्तर प्रदेश सब इंस्पेक्टर की परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा के दौरान एक सवाल पूछा गया कि अवसर के अनुसार बदल



जाने वाला, इस वाक्यांश के लिए एक शब्द का चयन कीजिए, विकल्पों में पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी था। लोगों की आपत्ति है कि पंडित को गलत अर्थों में दिखाया गया है और यह अपमान है। ब्रजेश पाठक क्या बोले? प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोशल मीडिया में पोस्ट कर लिखा है कि पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्न को लेकर जो विवादित विकल्प दिए गए उन पर हमें कड़ी आपत्ति है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मामले को गंभीरता से संज्ञान में लिया है। किसी भी प्रश्न से किसी समाज या वर्ग की गरिमा को ठेस पहुंचती है तो यह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है।

'बीबी अभी जिंदा है', मौत की अफवाहों के बीच इस अनोखे अंदाज में नजर आए नेतन्याहू

इजराइल ईरान के बीच चल रहे युद्ध की बची अचानक ये दावा किए जाने लगा है कि बेंजमिन नेतन्याहू की मौत हो गई है। इस बीच प्रधानमंत्री ने खुद सामने आकर इन दावों की हवा निकाल दी। एक नए वीडियो में वह मजाक करते हुए अपनी उंगलियां कैमरे के सामने दिखाईं और कहा- "लोग कह रहे हैं बीबी मर गया है... आप भी यही पूछने आए हैं क्या?" यह वीडियो सोशल मीडिया पर उनके निधन की झूठी अफवाहों के बीच जारी किया गया है। इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर चल रही मौत और एआई वाली अटकलों पर विराम लग गया। इन अफवाहों की शुरुआत तब हुई जब नेतन्याहू ने शुक्रवार को अपने 'एक्स' (X) अकाउंट पर ईरान युद्ध संबंधी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो साझा किया। कुछ सोशल मीडिया पर उनके एक पुराने वीडियो को लेकर यह दावा किया गया था कि उनके दाहिने हाथ में छठी उंगली दिखाई दे रही है, जिसे कुछ यूजर्स ने एआई से बनी तस्वीर की गड़बड़ी बताया था। इसी के बाद उनकी मौत तक की अफवाहें फैलने लगी थीं।

काँफी की चुस्कियां ले' ते हुए नेतन्याहू बोले- बीबी अभी जिंदा है काँफी पीते हुए नेतन्याहू ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'लोग कह रहे हैं कि बीबी (उनके निकनेम) मर



गया है। क्या आप भी यही पूछ रहे हैं?' उन्होंने अपने दोनों हाथ कैमरे के सामने दिखाते हुए जोड़ा, 'लोग मेरी उंगलियां भी गिन सकते हैं।' देशवासियों की हिम्मत की तारीफ नेतन्याहू ने वीडियो में काँफी और अपने देशवासियों के प्रति प्रेम जताया। उन्होंने युद्धकाल में इजरायली नागरिकों की हिम्मत और धैर्य की सराहना की, और कहा, 'हमारे देश के लोगों का यही जज्बा मुझे, सरकार को, इजरायली सुरक्षा बलों और मोसाद को ताकत देता है।' ईरान और लेबनान में इजरायली सेना की सख्त कार्रवाई जारी होने का जिक्र करते हुए, उन्होंने सुरक्षा कारणों से अधिक जानकारी देने से मना किया। नेतन्याहू ने नागरिकों को दी सावधानी बरतने की सलाह नेतन्याहू ने नागरिकों से अपील की कि वे बाहर निकलते समय ताजी

हवा लें, लेकिन हमेशा सुरक्षित शेल्टर के करीब रहें और होम फ्रंट कमांड के निर्देशों का पालन करते रहें। वीडियो के अंत में, उन्होंने काँफी शॉप के अटेंडेंट से चुटकी लेते हुए कहा, 'काँफी के लिए धन्यवाद, यह शानदार है... बस इसकी कैलोरी को लेकर थोड़ा शक है।' पीएमओ ने भी खारिज की मौत की अफवाह

इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को पूरी तरह खारिज कर दिया था। पीएमओ ने साफ कहा कि प्रधानमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनकी हत्या की खबरें फर्जी हैं। ईरान की चेतावनी और हमलों का दावा

इधर इस्लामिक रिजोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के हवाले से 3000 टी-2 ऑल्ट्रा ने नेतन्याहू को कड़ी चेतावनी दी है। आईआरजीसी ने कहा कि अगर नेतन्याहू जीवित हैं तो उनका पीछा जारी रहेगा।

रविवार को आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने इराक के एरबिल स्थित अल-हरिरी एयरबेस और कुवैत के अली-अल सलेम व अरिफजान सैन्य ठिकानों सहित अमेरिका के तीन ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इस कार्रवाई को "ऑपरेशन टू प्रॉमिस-4" की 52वीं लहर बताया गया।

'निजी स्वार्थ के लिए...' विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर बरसे पीएम मोदी, बताया 'राजनीतिक कुकृत्य' लोकसभा स्पीकर को लिखी चिट्ठी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के लिए अविश्वास प्रस्ताव के खारिज होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने स्पीकर को पत्र लिखा। पीएम मोदी ने बिरला की तारीफ करते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा, नई दिल्ली, (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की ओर लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के सदन में खारिज होने के बाद उन्हें एक पत्र लिखा और इस घटनाक्रम का एक 'राजनीतिक कुकृत्य' करार देते हुए सदन द्वारा इसे अस्वीकार किए जाने पर खुशी जताई। संसदीय गरिमा की जीत प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा स्पीकर को लिखे लेटर में ओम बिरला के उस वक्तव्य की सराहना की, जो

उन्होंने प्रस्ताव गिरने के बाद सदन में दिया था। पीएम मोदी ने लिखा, 'आपने जिस संतुलन, धैर्य और स्पष्टता के साथ संसदीय इतिहास और नियमों की सर्वोच्चता का उल्लेख किया, वह अत्यंत प्रभावशाली है। आपका वक्तव्य केवल उस क्षण का उत्तर नहीं, बल्कि भारतीय लोकतांत्रिक मर्यादा की एक गहरी व्याख्या है।

संदेश लोकतंत्र की मूल भावना को दोबारा स्थापित करने वाला है। विपक्ष पर साधा निशाना पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने



विपक्ष की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि कुछ लोगों की परिवारवादी और सामंती सोच उन्हें नए और युवा जनप्रतिनिधियों को आगे बढ़ते हुए देखने नहीं देती। उन्होंने कहा, 'राजनीतिक असहमति अब 'अनादर'

में बदलती जा रही है। निजी स्वार्थ और अहंकार के कारण संवैधानिक पदों की गरिमा को ठेस पहुंचाई जा रही है। पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के समय भी इसी प्रकार की प्रवृत्तियां देखीं थीं।

स्पीकर की तारीफ प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय दायित्वों के साथ-साथ अपने संसदीय क्षेत्र के प्रति ओम बिरला के लगाव की भी प्रशंसा की। उन्होंने हाल ही में कोटा एयरपोर्ट परियोजना के शिलान्यास का जिक्र करते हुए कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में बिरला का अपने क्षेत्र के प्रति संतुलन प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि अध्यक्ष आगे भी इसी निष्पक्षता और निष्ठा के साथ सदन का संचालन करते रहेंगे, जिससे भारतीय संसदीय लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा।

मान्यवर कांशी राम की जयंती पर समाजवादी पार्टी कार्यालय श्रद्धांजलि अर्पित की गयी

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर स्वर्गीय कांशी राम की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छोटे लाल खरवार तथा अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम निहोरे यादव ने की जबकि संचालन महासचिव सईद कुरैशी ने की। शोषितों, वंचितों और पिछड़ों की आवाज बुलंद करने वाले बहुजन नायक मान्यवर कांशी राम की जयंती मनाने के लिए समाजवादीओं का भारी जमावड़ा देखने को मिला। जिसमें प्रमुख थे सांसद छोटे लाल खरवार, जिलाध्यक्ष राम निहोरे यादव, व्यास जी गोंड, अनिल यादव, जय प्रकाश पाण्डेय उर्फ चेशुर पाण्डेय, साईद कुरैशी, पूर्व विधायक अविनाश कुशावाहा, पूर्व विधायक रमेश चंद्र

दूबे, बड़कु गोंड आदि ने एक स्वर में कहा कि मान्यवर कांशी राम ने समाज के उस तबके को हक और हिस्सेदारी



की राह दिखाई जो सदियों से हाशिये पर थे। उनकी बताये रास्ते और जिसकी जिसकी भागीदारी उसकी उतनी हिस्सेदारी के संकल्प को पूरा

करने के लिये एक जुट हुए। उनके सामाजिक न्याय और समानता के महासंग्राम को आगे बढ़ाने के लिए



संकल्प लिया गया। इसके पूर्व मान्यवर कांशी राम के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

सिक्किम में अचानक बदला मौसम, तूफानी हवाओं, तेज बारिश और ओलावृष्टि ने मचाई तबाही, जारी की गई एडवाइजरी

सिक्किम के कई इलाकों में 15 मार्च की शाम मौसम अचानक खराब हो गया। तेज हवाएं भारी बारिश और ओले गिरने की घटनाओं ने कई स्थानों पर जनजीवन को प्रभावित किया। स्थानीय लोगों ने

बताया कि अचानक मौसम बदलने के कारण बाहर निकलना मुश्किल हो गया और सड़क मार्ग असुरक्षित हो गए। अचानक मौसम में बदलाव के साथ तेज हवाएं चलने लगीं और जोरदार बारिश शुरू हो गई। इसके चलते कई इलाकों में वातावरण अस्थिर हो गया। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई, जिससे स्थानीय लोग और यात्री प्रभावित हुए और यात्रा करना कठिन हो गया।

न्यायमूर्ति लखनऊ श्री राजेश सिंह चौहान, की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन



लखनऊ, माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति लखनऊ श्री राजेश सिंह चौहान, की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 14.03.2026 का सफल आयोजन किया गया जिसमें 481112 वादों का सफल निस्तारण किया गया। जन सामान्य को त्वरित, सस्ता एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने हेतु आज दिनांक 14.03.2026 दिन शनिवार प्रातः 10:00 बजे पुराना उच्च न्यायालय लखनऊ में माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति लखनऊ श्री राजेश सिंह चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण करके राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात माननीय जनपद न्यायाधीश लखनऊ श्री मलखान सिंह द्वारा माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति लखनऊ को स्मृति चिन्ह एवं



गुलदस्ता भेंट किया गया। इसी क्रम में माननीय डॉ0 मनु कालिया, सदस्य सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं समस्त अपर जिला जज तथा नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत श्री रवीन्द्र कुमार द्विवेदी, विशेष न्यायाधीश, सी0बी0आई0 सेन्ट्रल, लखनऊ एवं श्री जीवक कुमार सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के साथ समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट बैंकों के पदाधिकारीगण, लीगल एड डिफेंस काउन्सिल के अधिवक्तागण, पराविधिक स्वयं सेवक, नाभिका अधिवक्ता एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन शीतल प्रीयदर्शी, सिविल जज (सी0डि0) द्वारा किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर वादकारियों के स्वागत हेतु न्यायालय परिसर में मेगा हेल्थ कैम्प एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका

न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा सहित कुल 12607 मामले, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के कुल 213 मामलों, वाणिज्यिक न्यायालय के 12 मामलों तथा परिवारिक न्यायालय के 189 मामलों सहित न्यायालय में लम्बित कुल 19546 वादों का निस्तारण कर कुल रू 523311412/- की धनराशि वसूल की गयी। प्री-लिटिगेशन स्तर पर राजस्व के कुल 101163 वादों, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कुल 299679 वादों, बैंक रिकवरी के कुल 1695 वादों प्रीलिटिगेशन वैवाहिक विवादों के 52 मामलों तथा अन्य 58977 प्रकरणों सहित कुल 461566 मामलों का निस्तारण कर कुल रू0 136420866/- की धनराशि वसूल हुयी। इस प्रकार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 481112 मामलों का निस्तारण कर कुल रूपए 659732278/- की धनराशि वसूल की गयी।

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेंट में बड़ा फेरबदल, 3 आईपीएस अफसरों के तबादले, रवीना त्यागी बनीं डीसीपी ट्रेफिक

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेंट में तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। डीसीपी ट्रेफिक कमलेश कुमार दीक्षित को हटाकर मुख्यालय भेज दिया गया है। लखनऊ: (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस कमिश्नरेंट में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले के साथ उनकी जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। इस बदलाव के तहत डीसीपी ट्रेफिक कमलेश कुमार दीक्षित को उनके पद से हटाकर मुख्यालय भेज दिया गया है, जबकि उनकी जगह आईपीएस रवीना त्यागी को डीसीपी ट्रेफिक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा पुलिस उपायुक्त अनिल कुमार यादव के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। लखनऊ पुलिस

कमिश्नरेंट में किए गए इस फेरबदल को प्रशासनिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है। वहीं, नई जिम्मेदारी मिलने के बाद रवीना त्यागी के सामने राजधानी की



ट्रेफिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने की चुनौती होगी। 2018 बैच के कवर हैं अनिल यादव 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी अनिल कुमार यादव को लखनऊ पुलिस

कमिश्नरेंट में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। आजमगढ़ के मूल निवासी अनिल यादव को डीसीपी क्राइम बनाया गया है। 1986 में जन्मे अनिल कुमार यादव ने



बीए और बीएड की पढ़ाई की है। इससे पहले वह पुलिस मुख्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे थे। अब उन्हें राजधानी में अपराध नियंत्रण और बड़ी आपराधिक घटनाओं की निगरानी की अहम

जिम्मेदारी सौंपी गई है। 2014 बैच की IPS हैं रवीना त्यागी वहीं, नई डीसीपी ट्रेफिक बनीं आईपीएस रवीना त्यागी 2014 बैच की उत्तर प्रदेश कैडर की अधिकारी हैं। इससे पहले वह लखनऊ में डीसीपी मध्य के पद पर कार्य कर चुकी हैं। इसके अलावा कानपुर में डीसीपी ट्रेफिक के रूप में भी उन्होंने अहम जिम्मेदारी निभाई है।

रवीना त्यागी ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें एसपी साउथ, सीबीसीआईडी, डीसीपी साउथ और डीसीपी हेडक्वार्टर्स शामिल हैं। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें कई सम्मान भी प्राप्त हुए हैं। उन्हें वर्ष 2022 में डीजी कमेंडेशन डिस्क सिल्वर, 2023 में गोल्ड और 26 जनवरी 2025 को प्लेटिनम सम्मान से नवाजा जा चुका है।



नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी



JioTV
CHENNAL NO. 2063



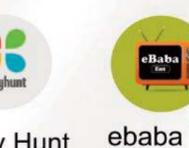
Jio Air Fiber



Jio Tv +



Jio Fiber



Daily Hunt



ebaba TV



Dish Plus



DTH live OTT



Rock TV



Airtel



Amezone Fire



Roku Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही नवसर्जन संस्कृति हिंदी चैनल देखिये

सनातन की रक्षा के लिए नारी शक्ति को निभानी होगी अग्रणी भूमिका : महेंद्र प्रताप

—चैतन्य विहार में चल रही कथा में उठाया श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति का मुद्दा मथुरा (जीएनएस)। सनातन धर्म की रक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए नारी शक्ति को आगे आकर अपनी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। इतिहास गवाह है कि जब भी हिंदू समाज और मठ मंदिरों पर संकट आया, तब मातृ शक्ति ने निर्णायक भूमिका निभाई है। सनातन की मजबूती के लिए मठ-मंदिरों को भी सशक्त करना आवश्यक है। यह विचार श्रीकृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही इंदगाह मस्जिद प्रकरण के हिंदू पक्षकार एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने व्यक्त किए। वह वृंदावन के चैतन्य विहार कॉलोनी में आयोजित सरस महाराज की कथा के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि सनातन धर्म और संस्कृति का प्रमुख केंद्र है। जहां भगवान



जनजागरण के लिए जन आंदोलन भी खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में मातृ शक्ति का सक्रिय योगदान अत्यंत आवश्यक है। न्यास अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की प्राकट्य भूमि का गर्भगृह सनातन आस्था का

मूल केंद्र है। ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार राजा बज्रनाथ ने वहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया था, जिसे बाद में आक्रांताओं ने ध्वस्त कर उसी तरह से नारी शक्ति को श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति में अपनी अहम भूमिका निभानी होगी। तभी हमारे इष्ट आराध्य भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मुक्त हो पाएगी। उन्होंने बताया कि इसी ऐतिहासिक अन्याय के समाधान के लिए 23 दिसंबर 2020 को न्यायालय में वाद दायर किया गया था, जिसे स्वीकार किए जाने के बाद यह विषय जन-जन के विमर्श का केंद्र बन गया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह संघर्ष किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था, धैर्य और संकल्प का प्रतीक है। उनके इस कथन पर उपस्थित श्रद्धालु खड़े होकर तालियां बजाने लगे और पूरा पंडाल जयघोष से गुंज उठा। इस मौके जगदुरु विजय भैया, हनुमान टेकरी के महंत दशरथदास जी महाराज, अतुल कृष्ण शास्त्री, आचार्य बद्रीश, कन्हैया लाल शर्मा और श्यामनंद जी महाराज समेत प्रमुख संत भी मौजूद रहे।

दिया। उन्होंने बताया कि औरंगजेब द्वारा गर्भगृह स्थल पर इंदगाह मस्जिद बनाए जाने की पीड़ा आज भी हिंदू समाज के मन में जीवित है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में नारी शक्ति ने अपनी सशक्त भूमिका निभाई थी, आज ठीक

बच्चों ने रखा पहला रोजा, स्कूल में धूमधाम से मनाई रोजा कुशाई

लखनऊ। मसरूर एजुकेशनल सोसाइटी के तहत संचालित सेंट रोज पब्लिक स्कूल, गढ़ी पीर खां टाकुरगंज में रामजान की पवित्रता को बच्चों तक पहुंचाने के लिए रोजा कुशाई का खास आयोजन किया गया। इस समारोह में स्कूल के 10 बच्चे अपनी जिंदगी का पहला रोजा सफलतापूर्वक रखकर इस मुबारक मौके को सिलेब्रेट करने वाले बने।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मंसूर हसन खां ने की। पहली बार रोजा रखने वाले बच्चों में मो. हुजैफा अंसारी, अब्दुल रहमान, मुआज, फातमा जहरा, हिबा खान, अबु तलहा



अंसारी, मो. हम्जा, अब्दुल रज्जाक, सबीहा बानो और जोहरा फातिमा शामिल थीं।

रोजादार बच्चों और उनके माता-पिता का स्वागत फूलों की मालाओं से

समारोह में डॉ. नसीम अहमद, सोहेल मसरूर खां, हाफिज जुनैद रहमानी, मो. साकिब, मो. आकिब, फहाम खान, अदनान दानिश, एडवोकेट एस. उस्मान दानिश, जमाल अख्तर सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक और समाजसेवी मौजूद रहे।

सभी ने देश-दुनिया में अमन-चैन, भाईचारा और खुशहाली के लिए दुआएँ मांगीं। यह आयोजन बच्चों में धार्मिक अनुशासन, उपवास की महत्ता और रामजान की रूहानीयत को जगाने का एक सराहनीय प्रयास रहा।

साइबर जागरूकता से ही धोखाधड़ी पर लगाम संभव

(जीएनएस)।

शक्तिनगर (सोनभद्र)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर शक्ति नगर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय की ओर से आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर (दिन- रात) के पांचवें दिन 15 मार्च 2026 को "साइबर जागरूकता" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता आईटी सेल एनटीपीसी शक्तिनगर के उमाशंकर द्विवेदी ने साइबर सुरक्षा से संबंधित विशिष्ट तथ्यों पर स्वयंसेवकों के साथ जानकारी साझा किया। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम के बढ़ते घटनाओं पर निंत्रण पाने के लिए साइबर जागरूकता ही एक प्रभावी कदम है। साइबर जागरूकता



साथ होने वाले धोखाधड़ी पर निंत्रण प्राप्त किया जा सकता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक इस तरह की जागरूकता कार्यक्रमों से अपने आसपास के नागरिकों को इसके लिए अवश्य जागरूक करें। कार्यक्रम

अधिकारी डॉ. छोटे लाल प्रसाद के दिग्गज से आसानी से बचाया जा सकता है और अनेक प्रकार के उनके स्वयंसेवक हिमांशु गुप्ता ने अतिथि महोदय का स्वागत किया और स्वयंसेविका अंजना आपूर्ति ने सबके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर के द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों ने दहेज प्रथा के खिलाफ जन जागरूकता के तहत एक नुकड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक का केंद्र बालिका सशक्तिकरण का संदेश स्थानीय नागरिकों को संप्रेषित करना था। इस कार्यक्रम में निशा, सोमन, प्रीति, स्वयंसेवक इसके खिलाफ अभियान चलाने का संकल्प ले रहे हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पाण्डेय ने शिविर के 100 स्वयंसेवकों को

श्री सत्य साई सेवा संगठन द्वारा निःशुल्क हृदय रोग निदान शिविर का आयोजन

हजारों की संख्या में पहुंचे हृदयरोगी

लखनऊ। भगवान श्री सत्य साई बाबा का दिव्य सन्देश की 'मरीज अस्पताल जाए बल्कि अस्पताल ही मरीज तक पहुंचे इस सन्देश को चरितार्थ करते हुए आज भगवान के पावन आशीर्वाद से श्री सत्य साई सेवा संगठन, उत्तर प्रदेश व श्री सत्य साई हार्ट हॉस्पिटल अहमदाबाद व राजकोट, जिन्होंने इस वित्तीय वर्ष में पूरे भारत में 6 हृदय रोग निदान शिविर आयोजित किये और 1500 से ज्यादा सफल ऑपरेशन्स पूर्णता निःशुल्क रूप से किये, के सहयोग से दिनांक 15.03.2026, रविवार को चॉलसर क्लब, आशियाना, लखनऊ में द्वितीय हृदय रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः ४.०० बजे भगवान श्री सत्य साई बाबा की दिव्य उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ इस शिविर का शुभारंभ हुआ।

चिकित्सक सचिन नेव, प्रदेश अध्यक्ष, श्री सत्य साई सेवा संगठन, उत्तर प्रदेश तथा धनंजय शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री



सत्य साई सेवा संगठन, उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के पश्चात लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज व प्रदेश के अन्य जिलों से आए साई भक्तों द्वारा मंत्रोच्चारण किया गया। इसके साथ ही गुजरात के प्रतिष्ठित आठ चिकित्सकों की टीम द्वारा हृदय रोग शिविर का संचालन प्रारंभ किया गया।

इस शिविर में रोगियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। 400 से अधिक रोगियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, साथ ही लगभग 1000 ऐसे रोगी भी शिविर में उपस्थित हुए जो ऑनलाइन पंजीकरण नहीं करा सके थे।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान, उच्च न्यायालय, लखनऊ ने भी अपनी गरिमामयी

सम्बोधन में इस शिविर के आयोजन में संगठन के साई भक्तों द्वारा किये गए प्रयासों की प्रशंसा की और उनके प्रोत्साहित किया।

भगवान बाबा का संदेश है "Love All, Serve All" (सबसे प्रेम करो, सबकी सेवा करो)। उनकी इसी शिक्षा को केंद्र में रखते हुए यह शिविर पूर्णतः निःशुल्क आयोजित किया गया। इस शिविर से उत्तर प्रदेश के 500 से अधिक रोगियों ने लाभ प्राप्त किया। ये अधिकाराल समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से थे, जिनके लिए हृदय रोग की गई रोगियों को उपरेशन कराना संभव नहीं था।

65 वर्ष तक की आयु के ऐसे रोगियों को CABG, PDA, MVR, ASD आदि हृदय रोगों से पीड़ित थे, का गहन परीक्षण 24 ECHO " द्वारा किया गया और उन्हें उचित परामर्श दिया गया। इनमें से 180 रोगियों, जिन्हें शल्य चिकित्सा की अत्यंत आवश्यकता थी, उन्हें श्री सत्य साई अस्पताल, अहमदाबाद एवं राजकोट में ऑपरेशन हेतु तिथियाँ प्रदान की गईं। यह समस्त शल्य चिकित्सा भी पूर्णतः निःशुल्क संपन्न की जाएगी।

चिल्काडांड मार्केट में भीषण आग, कबाड़ की दुकान व कार जलकर खाक

—स्नेहा जायसवाल

शक्तिनगर (सोनभद्र)। थाना क्षेत्र के चिल्काडांड मार्केट में शुक्रवार देर रात सतिध परिस्थितियों में आग लगने से एक कबाड़ की दुकान और कार जलकर खाक हो गई। घटना से बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार चिल्काडांड मार्केट निवासी विनोद केशरी उर्फ बबलू केशरी की कबाड़ की दुकान है। ठीक बगल में वीरेंद्र केशरी की चाय-समोसा और नमकीन की गुमटी

रखी हुई थी। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि गुमटी में जल रही कोयले की भट्टी से आग लगी होगी, जो देखते ही देखते पास की कबाड़ की दुकान तक फैल गई।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आकर कबाड़ की दुकान में रखा कार्टून, पेपर, काँपी-फ़िलाव, कांटा सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। वहीं अवधेश केशरी की एक कार पूरी तरह

उसी तरह से नारी शक्ति को श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति में अपनी अहम भूमिका निभानी होगी। तभी हमारे इष्ट आराध्य भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मुक्त हो पाएगी। उन्होंने बताया कि इसी ऐतिहासिक अन्याय के समाधान के लिए 23 दिसंबर 2020 को न्यायालय में वाद दायर किया गया था, जिसे स्वीकार किए जाने के बाद यह विषय जन-जन के विमर्श का केंद्र बन गया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह संघर्ष किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था, धैर्य और संकल्प का प्रतीक है। उनके इस कथन पर उपस्थित श्रद्धालु खड़े होकर तालियां बजाने लगे और पूरा पंडाल जयघोष से गुंज उठा। इस मौके जगदुरु विजय भैया, हनुमान टेकरी के महंत दशरथदास जी महाराज, अतुल कृष्ण शास्त्री, आचार्य बद्रीश, कन्हैया लाल शर्मा और श्यामनंद जी महाराज समेत प्रमुख संत भी मौजूद रहे।

भारतीय नववर्ष मेला 18 मार्च को लगेगा सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में : भारतीय संस्कृति से ओत-प्रोत होगा नववर्ष मेला

पुरस्कार में मिलेगी नकद धनराशि

—मेला का मुख्य आकर्षण होगा बाबा सत्यनारायण मौर्य की संगीतमय प्रस्तुति "एक शाम राष्ट्र के नाम"

मथुरा (जीएनएस)। नववर्ष मेला समिति के तत्वावधान में नवसंवत्सर की पूर्व संध्या पर 18 मार्च को सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित होने वाले विशाल नववर्ष मेला के संबंध में सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर जुबली पार्क में रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए नववर्ष मेला समिति के महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि नववर्ष मेला समिति मथुरा पिछले 25 वर्षों से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत्सर की पूर्व संध्या पर भारतीय गौरवशाली परम्परा, इतिहास एवं स्वाभिमान के प्रतीक

भारतीय नववर्ष पर परम्परागत रूप से विशाल नववर्ष मेला का आयोजन करती आ रही है। कहा कि इस वर्ष



नवसंवत्सर की पूर्व संध्या पर आयोजित विशाल नववर्ष मेला के संबंध में जानकारी देते हुए मेला महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा और मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा।

पर यह विशाल मेला चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत् 2083 की पूर्व संध्या पर चैत्र कृष्ण अमावस्या संवत् 2082 तदनुसार 18 मार्च को

परम्परागत रूप से विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रमों के साथ आयोजित होगा। बताया कि इस

नववर्ष समारोह में मुख्य अतिथि डीआईजी आगरा रेंज शैलेश पांडेय होंगे। मेला का मुख्य आकर्षण अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि,

चित्रकार, गायक, प्रखर वक्ता एवं राष्ट्रप्रेमी कलाकार बाबा सत्यनारायण मौर्य की अद्भुत मंचीय प्रस्तुति "एक शाम राष्ट्र के नाम" होगा। वहीं मेला महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए नवसंवत्सर पर नववर्ष मेला वर्ष 2002 से शुरू हुआ है। तभी से यह मेला प्रतिवर्ष लगाता है। इस वर्ष 25 वर्ष पूर्ण होने पर यह रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कहा कि नववर्ष मेला का शुभारंभ चैत्र कृष्ण अमावस्या संवत् 2082 तदनुसार 18 मार्च को भूमि पूजन एवं हवन के साथ दोपहर 1 बजे से सैठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज के मैदान में होगा। मेला स्थल पर सायं 4:30 बजे से रंगोली, रूप सज्जा, सामूहिक एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता होंगी। नववर्ष समारोह सायं 6:30 बजे दीप प्रज्वलन से शुरू होगा।

लखनऊ सपा नेता के रिसॉर्ट से 88 सिलेंडर बरामद, कालाबाजारी का आरोप

जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने मोहान रोड स्थित अभिनंदन रिसॉर्ट पर छापेमारी कार्रवाई की, जिसमें 88 गैस सिलेंडर बरामद हुए हैं। यह सपा सोनू कर्नौजिया का है।



बरामद हुए हैं। यह रिसॉर्ट समाजवादी पार्टी नेता सुरेन्द्र कुमार उर्फ सोनू कर्नौजिया का है।

प्रशासन के मुताबिक यहां सिलेंडर कालाबाजारी के लिए ही रखे गए थे, जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया है। एजेंसी पत्नी मंजू कर्नौजिया के नाम पर है। इस मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर

कार्रवाई की जा रही है। रविवार सुबह प्रशासन की छापेमारी में 14.2 किलो के 65 खाली सिलेंडर, 9 भरे सिलेंडर, 5 किलो वाले 14 छोटे खाली सिलेंडर कुल मिलाकर 88 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। माना जा रही है कि ये घरेलू उपयोग के सिलेंडर अवैध भंडारण और कालाबाजारी के लिए रखे गए थे, जबकि शहर में एलपीजी की भारी कमी से लोग परेशान हैं।

यह रिसॉर्ट सपा नेता सुरेन्द्र कुमार उर्फ सोनू कर्नौजिया है, जबकि गैस एजेंसी की स्वामी उनकी पत्नी मंजू कर्नौजिया हैं। उन्हीं के नाम पर भारत गैस कंपनी की एजेंसी संचालित है। अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर

बड़ी मात्रा में सिलेंडर मिले हैं। अधिकारियों ने बताया कि काकोरी थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 की धारा 3/7 के तहत झफ्फदरज की गई है। जिसमें मंजू कर्नौजिया नाम्नाद, एक वाहन, जिसका मालिक जमील अहमद, और साहिल, मुन्ना उर्फ इत्कदा, सुरेन्द्र कुमार कर्नौजिया का नाम शामिल है।

यहां बात दें कि लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में इन दिनों एलपीजी की किल्लत से लोग दुःख रहे हैं। ऐसे में कालाबाजारियों के खिलाफ खुद सीएम योगी ने सख्त एक्शन लेने के लिए निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। फिलहाल इस कार्रवाई से पूरे शहर में हड़कम्प मचा हुआ है।

विकास की दौड़ में मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखना बेहद जरूरी: बृजेश पाठक, मा. उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश।

* निर्वाण अस्पताल द्वारा आयोजित काफ्रेंस में डिजिटल एडिक्शन, पेरेंटिंग और बदलती जीवनशैली पर एक्सपर्ट्स ने साझा किए अनुभव

ऐसी समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि माता-पिता अपनी

पढ़ रहा है। साथ ही पेरेंट्स को फिजिकल हाइजीन की तरह ही बच्चों

क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए प्रदान किया गया। वहीं नशा मनोचिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रो. (डॉ.) पी.के. दलाल को सम्मानित किया गया।

* मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशेषज्ञों को किया गया सम्मान

एक 18 साल का युवा इस कदर गेम का एडिक्ट हो गया कि पहले

उसने दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई छोड़ दी और उसके बाद कोटा में कोर्स से ड्रॉप आउट लेकर वापस घर आ गया। पेरेंट्स ने जब उसकी दिनचर्या पर करीब से नजर रखी तो पता चला कि वह दिन में 18 घंटे से अधिक समय गेम देखता और खेलता था। इस डिजिटल एडिक्शन ने लगभग उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी।

जुनरल साइकियाट्री में उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ. एच. नायडू को पुरस्कार मिला, जबकि बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए प्रो. (डॉ.) प्रभात विश्वेश को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मनो-यौन स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. आर.के. ठकाराल को भी सम्मान प्रदान किया गया।

एक 18 साल का युवा इस कदर गेम का एडिक्ट हो गया कि पहले उसने दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई छोड़ दी और उसके बाद कोटा में कोर्स से ड्रॉप आउट लेकर वापस घर आ गया। पेरेंट्स ने जब उसकी दिनचर्या पर करीब से नजर रखी तो पता चला कि वह दिन में 18 घंटे से अधिक समय गेम देखता और खेलता था। इस डिजिटल एडिक्शन ने लगभग उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी।

डिजिटल एडिक्शन से जुड़े ऐसे ही कई अलग-अलग दिलचस्प मुद्दों पर निर्वाण अस्पताल द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'साइकोन 2026' सम्मेलन में चर्चा की गई, जिसमें पेरेंट्स और बच्चों के रिश्तों से लेकर उनसे जुड़ी चुनौतियों पर भी बात की गई। इस दौरान एक्सपर्ट्स ने बताया कि कैसे छोटी उम्र से ही पेरेंट्स बच्चों की शरारत से निजात पाने के लिए या फिर खाना खाने जैसी दैनिक क्रियाएं पूरी करवाने के लिए मोबाइल फोन का सहारा लेते हैं। यह मोबाइल फोन धीरे-धीरे कब उनके बच्चों की लत बन जाता है, उन्हें पता ही नहीं चलता।

पेरेंटिंग की जिम्मेदारी को समझें। बच्चों को मोबाइल फोन पकड़ने की बजाय उन्हें रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करना अधिक जरूरी है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के कुलपति जयशंकर मिश्रा उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री डॉ. बृजेश पाठक ने कहा कि 35 साल पहले युवाओं में सबसेटेंस एब्यूज को सुधारने के लिए 'निर्वाण' द्वारा की गई इस शुरूआत को मैंने करीब से देखा है। वर्तमान समय में बच्चों के लिए काउंसिलिंग की व्यवस्था बेहद आवश्यक हो गई है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमने तरक्की तो खूब की है, लेकिन उसके साथ-साथ जबरदस्त मानसिक दबाव के साथ जी रहे हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखना जरूरी है। निर्वाण द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों की हम सराहना करते हैं। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि एक स्टडी के अनुसार युवा प्रतिदिन 9 घंटे से अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसका असर उनकी मानसिक क्षमताओं पर

इस सत्रों में कई अहम विषयों पर सरल और दिलचस्प तरीके से चर्चा की गई। इनमें 'डिजिटल एज में न्यूरोप्लास्टिसिटी', 'मनोवैज्ञानिक बीमारियों के इलाज में आरटीएमएस जैसी नई न्यूरोटेक्नोलॉजी की भूमिका', 'क्या तकनीक हमारी जिंदगी आसान बना रही है या हमारी पहचान मिटा रही है?', 'खामोश जजमेंट और शोर भी स्क्रीन: डिजिटल पेरेंटिंग की दुविधा', 'स्कॉलिंग के बीच बढ़ती खामोशी: वैवाहिक रिश्तों में अनदेखी दूरी' और 'तकनीक के दौर में भावनाओं को संभालने की चुनौती' जैसे विषय शामिल रहे। इन सभी सत्रों में विशेषज्ञों ने डिजिटल जीवन, मानसिक स्वास्थ्य और रिश्तों पर तकनीक के बढ़ते प्रभाव को आसान भाषा में समझाने की कोशिश की।

'साइकोन 2026' के दौरान मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कई वरिष्ठ विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रो. (डॉ.) टी.बी. सिंह और प्रो. (डॉ.) कृष्ण दत्त को मनोविज्ञान के

जुनरल साइकियाट्री में उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ. एच. नायडू को पुरस्कार मिला, जबकि बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए प्रो. (डॉ.) प्रभात विश्वेश को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मनो-यौन स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. आर.के. ठकाराल को भी सम्मान प्रदान किया गया।

इसी क्रम में जेरियाट्रिक साइकियाट्री के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रो. (डॉ.) एस.सी. तिवारी को सम्मानित किया गया, जबकि साइकोथेरेपी और काउंसिलिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. पल्लवी भटनागर को पुरस्कार दिया गया। रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ए.के. अग्रवाल को सम्मानित किया गया। व्यापक पेशेवर अनुभव और प्रशिक्षण के लिए प्रो. (डॉ.) अजय कोहली को सम्मान मिला। वहीं कम्युनिटी और सोशल साइकियाट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. देवाशीष शुक्ला तथा गंगा। लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रो. (डॉ.) टी.बी. सिंह और प्रो. (डॉ.) कृष्ण दत्त को मनोविज्ञान के

मान्यवर काशीराम जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है- मिठाई लाल भारती

लखनऊ/देवरिया/ सामाजिक परिवर्तन के महानायक, वंचितों के मसीहा, बहुजन नायक मान्यवर काशी राम साहब का जन्म दिन बहुजन समाज दिवस अर्थात् पीडीए दिवस बहुत

धूमधाम के साथ मनाया गया ! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सपा बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मान्यवर



काशीराम जी का जीवन हम सभी के नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी। बहुजन समाज एक हो। हमारा वोट, हमारी सरकार। संगठित बहुजन, सशक्त बहुजन। जो जमीन सकारा है, वह जमीन हमारी है। बहुजन जागो, तब देश बदलेगा। शिक्षित बनें, संगठित बनें, संघर्ष करो। यह जानकारी सपा बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव रामबाबू सुदर्शन दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री व्यास यादव जिला अध्यक्ष देवरिया ने की। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोलंकी, पूर्व सांसद श्रीमती कनकलता सिंह, पूर्व एमएलसी श्री जेपी जायसवाल, स्वामीनाथ भाई जी, दीनानाथ कुशवाहा, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुशवाहा, परवेज आलम, रंजना भारती, आदि लोग भारी संख्या में मौजूद थे।

अचानक लाजता हुआ युवक, पुलिस ने दर्ज की गुमशुदागी घर से बापतरा जाने की बात कहकर निकला था युवक

बहराइच थाना दरगाह शरीफ इलाके के ग्राम पंचायत कटरा बहादुरगंज का मजरा जौहरा गांव निवासी तेजराज राव का बीस वर्षीय पुत्र गौतम राव 10.03.2026 को घर से बहराइच मार्केट जाने की बात कहकर निकला था देर शाम तक वापस

न लौटने पर परिजन को चिंता सताने लगी पीड़ित पिता ने अपने बेटे के सभी दोस्तों को फोन लगाकर जानकारी की लेकिन कोई पता नहीं चला।आसपास व दूररराज के नाते रिश्तेदारों के यहां भी पृच्छातक किया फिरभी कोई सुराही नहीं लग पाया।आखिरकार स्थानीय थाने में घटना के संबंध में लिखित तहरीर देकर मदद की गुहार लगाई गई दरगाह शरीफ पुलिस ने 13.03.2026 को गुमशुदागी दर्जकरके शीघ्र बेटे को बरामद करने की बात कही।बेटे की कोई खोज खबर न मिलने से परिवारजन काफी व्याकुल दिखाई दे रहे हैं।पीड़ित पिता ने पुत्र की सकुशल बरामदगी करवाने के लिए जिला प्रशासन से मांग की है।

सम्पादकीय

चार राज्यों में चुनाव की घोषणा परिणाम 4 मई को होंगे घोषित

केंद्रीय चुनाव आयोग चार राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु तथा वेंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी विधानसभाओं के चुनावों की रिवार को घोषणा कर दी। सभी 5 विधानसभाओं के 824 सीटों पर 9 अप्रैल से 29 अप्रैल तक मतदान होगा और सभी के परिणाम 4 मई को घोषित होंगे।

इन विधानसभा चुनावों में असम और पुडुचेरी में भाजपा को अपनी सरकार बनाने की चुनौती है तो तृणमूल कांग्रेस के लिए पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु डीएमके के लिए और केरल वाम मोर्चे के लिए सत्ता कायम रखने की चुनौती है। असम में कांग्रेस भाजपा को कड़ी चुनौती देने की तैयारी में है तो पश्चिम बंगाल में भाजपा से टीएमसी को कड़ी चुनौती मिलनी है। केरल में वाम मोर्चा एलडीएम लगातार दस वर्षों से शासन में है जबकि इस राज्य की परम्परा रही है कि एक बार एलडीएम तो दूसरी बार कांग्रेस और मुस्लिम लीग के गठबंधन वाली यूडीएम सत्ता में आती थी लेकिन 2021 में यह परम्परा टूटी और एलडीएम दोबारा चुनाव जीत गई। 2026 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएम के लिए केरल विधानसभा चुनाव जीतने की उम्मीद की जा सकती है किन्तु इसके लिए आवश्यक है कि कांग्रेस अपने परंपरागत वोटरों का विश्वास हासिल कर ले। कांग्रेस के परंपरागत वोटर ईसाई और मुस्लिम के बीच अब वह एकात्मकता नहीं रही जो पाटा को जीतने के लिए जरूरी होती है। जिस राज्य में विधानसभा और लोकसभा के टिकट मस्जिदों और चर्चों में सुनिश्चित किए जाते हों, उन राज्यों में मजहबी संवेदनशीलता के आधार पर ही टिकट भी बंटते हैं। जो ईसाई कांग्रेस को ही वोट देने अब वे विवश होकर वाम मोर्चा यानि एलडीएम और भाजपा को वोट देने लगे हैं। भाजपा के राज्य इकाई के पदाधिकारियों की ज्यादा संख्या ईसाई समुदाय की है। इसका स्पष्ट कारण है कि राज्य में ईसाई समाज मुस्लिम लीग की आक्रमकता से भयभीत है।

रही बात तमिलनाडु की तो इस राज्य में भाजपा और कांग्रेस को उत्तर भारत की हिन्दी भाषी पाटा माना जाता है और द्रविण पार्टियां भले ही इनसे समझौते कर लेती हैं किन्तु वे कदापि नहीं चाहतीं कि ये दोनों अपना जनाधार बढ़ा लें। ये दोनों द्रविण पार्टियां भाजपा और कांग्रेस पार्टियों से अलग समझौते अवसर के अनुमान के आधार पर करती हैं। इसलिए कभी कांग्रेस एआईडीएमके से गठबंधन करती थी किन्तु अब डीएमके से करती है और भाजपा डीएमके से समझौता करती थी किन्तु अब एआईडीएमके के साथ गठबंधन में है। इस राज्य में गठबंधन करने में कोई पाटा किसी को अछूत नहीं मानती। द्रविण पार्टियों का हिन्दी के विरोध में एक जैसा ही दृष्टिकोण क्योंकि ये दोनों तमिल भाषा और तमिल संस्कृति के लिए हिन्दी को घातक मानती हैं।

इस राज्य में डीएमके और एआईडीएमके में से जो भी जनता का भरोसा हासिल करेगा वही जीत पाएगा। रही बात पुडुचेरी की तो इस वेंद्र शासित प्रदेश में उपराज्यपाल की शक्तियां अन्य वेंद्र शासित प्रदेशों की अपेक्षा कम जरूर हैं इसलिए विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण राज्य के विधानसभा जैसा ही है। पुडुचेरी में कांग्रेस फिर भाजपा गठबंधन को चुनौती देगी। इसलिए यह सुनिश्चित कर पाना मुश्किल है कि चुनाव में कौन जीतेगा लेकिन इतना तो तय है कि पुडुचेरी भी देश के अन्य विधानसभा के वोटरों से भिन्न नहीं है। इसलिए सत्ता से बाहर होना या सत्ता को कायम रख पाना भाजपा और कांग्रेस के लिए एक जैसी ही चुनौती है। असल में असम और पश्चिम बंगाल में भी चुनाव कम दिलचस्पी नहीं हैं किन्तु दोनों ही राज्यों में सत्ताधारी पार्टियां अपनी विरोधी पार्टियों से ज्यादा सक्रिय और सुगठित होने के कारण सत्ता परिवर्तन के कारकों को प्राभावहीन साबित कर रहे हैं। इसलिए माना जाता है कि इन दोनों राज्यों में सीटों की संख्या में तो बदलाव संभव है किन्तु सत्ता में बदलाव की आशंका तो कम ही है। बहरहाल आज का वोटर पोंगापंथी नहीं है। वह जाति, धर्म, भाषा के आधार पर वोट करने से बचता दिख रहा है। राजनीतिक पार्टियां अपनी तरफ से कोशिश तो बहुत कर रही हैं किन्तु युवा वोटरों में अब पहले जैसी रूढ़िवादी प्रावृत्ति नहीं है।

राहुल गांधी को कांशीराम की अचानक आई याद, 'भारत रत्न' की कर दी मांग, आगबबूला हुई मायावती क्या बोलीं ?

(जीएनएस)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अचानक से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम की अचानक याद आ गई है। राहुल गांधी ने 15 मार्च को अब कांशीराम को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने की वकालत की है। उन्होंने इस मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

अपने पत्र में, राहुल गांधी ने कांशीराम के सामाजिक न्याय और समानता के लिए आजीवन संघर्ष का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार कांशीराम ने दलितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़े वर्गों (OBC) और अल्पसंख्यकों को राजनीतिक मुख्यधारा में जोड़ने के

लिए अथक प्रयास किए। उनका लक्ष्य इन वंचित तबकों को सशक्त बनाना और उन्हें समाज में उनका उचित स्थान दिलाना था। कांशीराम जी ने देश के बड़े वंचित समाज को जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया। उनके योगदान के लिए उन्हें भारत रत्न मिलना ही चाहिए।

"नेहरू होते तो कांशीराम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री होते" वहीं एक दिन पहले कांग्रेस पार्टी ने लखनऊ में कांशीराम की जयंती पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें राहुल गांधी ने कांग्रेस के दलित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, " अगर जवाहरलाल नेहरू होते तो कांशीराम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री होते।"

आगबबूला हुई बसपा सुप्रीमों मायावती, दिखाया आईना



किया। लखनऊ में राहुल द्वारा कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग पर, मायावती ने कांग्रेस को 'आईना दिखाते हुए' एक लंबा पोस्ट लिखी। जिसमें मायावती ने अपने पोस्ट में तोखा सवाल उठाया।

मायावती ने लिखा, "जिन्होंने

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को

अचानक राहुल गांधी को क्यों याद आए कांशीराम ?

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को ही नहीं कांशीराम राजनीतिक रूप से सभी दलों के लिए महत्वपूर्ण बने हुए हैं, खासकर 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए। दलित वोट सपा और कांग्रेस दोनों के राजनीतिक अस्तित्व से जुड़ गए हैं। यदि दलितों ने 2024 की तरह इन दलों का समर्थन किया, तो वे सत्ता में आ सकते हैं लेकिन अगर दलित, खासकर जाटव मतदाता, 2027 में बसपा के साथ बने रहे, तो अन्य दलों के लिए सरकार बनाना मुश्किल होगा। याद रहे उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित वोटर कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

सपा को चुनाव से पहले याद आए कांशीराम

इसलिए कांग्रेस ही नहीं,

समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव भी लगातार कांशीराम को अपना बनाने में लगे हैं। सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव और कांशीराम को एक साथ लेकर चल रहे हैं, और कई सालों से उनकी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद कर रहे हैं।

भाजपा भी चुनाव से पहले चल सकती है बड़ा दांव

वहीं उर्त्तर प्रदेश की सर्त्त ता पर काबिज भाजपा भी इस दौड़ में शामिल है। भाजपा में भी कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग उठ रही है। एक धड़े का मानना है कि मोदी सरकार द्वारा यह सम्मान मिलने से दलितों का एक बड़ा तबका भाजपा से जुड़ सकता है। इसलिए भाजपा में यह मंथन चल रहा है कांशीराम को भारत रत्न देकर श्रेय लेकर दलितों का दिल जीत लिया जाए।

दिव्या दत्ता अभिनीत 'चिरैया', एक प्रभावशाली सामाजिक ड्रामा, 20 मार्च 2026 से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा

SVF एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, **शशांत शाह** निर्देशित यह कहानी **विवाह और खामोशी की भावनात्मक जटिलताओं को सामने लाती है**

मुंबई, : परंपराओं और पारिवारिक रिश्तों की गर्माहट के पीछे, कई महिलाएं ऐसी सच्चाइयों के साथ जीती हैं जिनके बारे में कभी बात नहीं की जाती। अक्सर खामोशी को ही सौहार्द समझ लिया जाता है, जबकि सहमति को विवाह और सामाजिक मान्यताओं को उजागर करने का प्रयास करता है। आज जियोहॉटस्टार 'चिरैया' का ट्रेजर जारी कर रहा है। यह प्रभावशाली सामाजिक ड्रामा भारत में वैवाहिक बलात्कार जैसे महत्वपूर्ण विषय पर जागरूकता बढ़ाने और सोच में बदलाव की आवश्यकता को उजागर करने का प्रयास करता है। दिव्या दत्ता अभिनीत यह कहानी एक स्पष्ट और महत्वपूर्ण बात सामने रखती है: विवाह सहमति नहीं है, और शादी किसी महिला के शरीर, आवाज या चुनाव के अधिकार को समाप्त नहीं करता। समयानुकूल, भावनात्मक और बेबाक, 'चिरैया' समाज को सुनने, सवाल करने और उन सच्चाइयों का सामना करने की चुनौती देती है जो पीढ़ियों से घरों के भीतर छिपी हुई हैं।

20 मार्च 2026 को प्रीमियर होने वाली यह छह एपिसोड की सीरीज

शशांत शाह द्वारा निर्देशित है और इसमें दिव्या दत्ता, संजय मिश्रा, सिद्धार्थ शां, प्रसन्ना बिष्ट, फैसल राशिद, टीनु आनंद, सरिता जोशी और अंजुम सक्सेना जैसे कलाकार शामिल हैं। यह एक भावनात्मक रूप से परतदार कहानी प्रस्तुत करती है जो यह दिखाती है कि कैसे खामोशी अन्याय को सक्षम बना सकती है और उसका सामना करने के लिए कितनी हिम्मत की आवश्यकता होती है ट्रैलर कमलेश के जीवन की एक झलक पेश करता है, जो एक यथिष्ठ परिवार की आदर्श बहू है, जिसकी प्रतीत होने वाली स्थिर दुनिया तब टूटने लगती है जब उसे पता चलता है कि उसकी ननद पूजा अपने विवाह के भीतर यौन शोषण का सामना कर रही है। जैसे-जैसे कठिन सच्चाइयों सामने आने लगती हैं, कमलेश खुद को परिवार की इज्जत की रक्षा करने और सही के लिए खड़े होने के बीच उलझा हुआ पाती है। जो शुरूआत में एक शांत चिंता के रूप में शुरू होता है, वह धीरे-धीरे गहराई से जड़ जमाए पितृसत्तात्मक विश्वासों के खिलाफ एक व्यक्तिगत संघर्ष में बदल जाता है, जो उसे उन सभी बातों पर सवाल उठाने के लिए मजबूर करता है जिन पर वह पहले विश्वास करती थी और जिनका समर्थन करती थी, साथ ही इस असहज वास्तविकता का

सामना भी कराता है कि सहमति को विवाह के भीतर भी स्वतः मानकर नहीं

प्रस्तुत करती है, साथ ही भावनात्मक

रूप से प्रामाणिक बनी रहती है। अपने

हमारा मानना है कि ऐसी कहानियाँ न

केवल दर्शकों को जोड़ने की क्षमता

रखती हैं बल्कि सहमति, गरिमा और उन जटिल गतिशीलताओं पर विचार करने के लिए भी प्रेरित करती हैं जो अक्सर उन संस्थाओं के भीतर मौजूद होती हैं जिन पर हम बिना सवाल किए

भरोसा करते हैं।निर्देशक शशांत शाह

ने कहा'चिरैया' का निर्देशन मेरे लिए भावनात्मक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण अनुभव था।

शुरूआत से ही मैं एक गहराई से मानवीय कहानी बताना चाहता था।

मुझे सबसे ज्यादा जो बात छू गई, वह यह थी कि इस कहानी की दुनिया

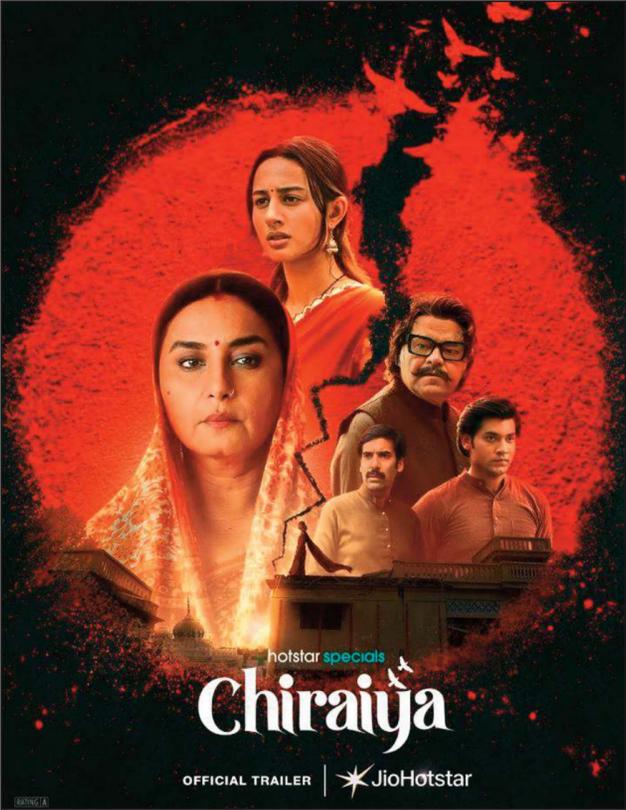
कितनी सामान्य महसूस होती है। फिल्म में असहजता किसी चरम क्षण से

नहीं आती, बल्कि रोजमर्रा की खामोशियों और सामान्यीकृत व्यवहार से आती है, जिन पर हम शायद ही कभी सवाल करते हैं। एक फिल्मकार के रूप में मेरी जिम्मेदारी थी कि इस विषय को संवेदनशीलता और सच्चाई के साथ संभालूँ, बिना इसे सनसनीखेज बनाए। सेट पर ऐसे कई दिन थे जब कलाकारों की परफॉर्मस पूरे टीम को शांत कर देती थीं, क्योंकि भावनाएँ इतनी वास्तविक और घर के करीब महसूस होती थीं। 'चिरैया' किसी पर उंगली उठाने के बारे में नहीं है; यह एक आईना दिखाने के बारे में है। और मेरे लिए यही इसे शक्तिशाली बनाता है।'कमलेश की भूमिका निभाने वाली

दिव्या दत्ता ने कहा'चिरैया' के साथ हम सिर्फ एक कहानी नहीं सुना रहे हैं; हम उन खामोशियों को आईना दिखा रहे हैं जिन्हें हमने विरासत में पाया है। मैं हमेशा उन किरदारों को लेकर सजग रही हूँ जिन्हें मैं जीवंत करती हूँ, लेकिन कमलेश अलग है। वह मेरे दिल का एक हिस्सा है। वह एक ऐसी महिला है जो उन मूल्यों से बंधी है जिन्हें उसने हमेशा संजोकर रखा है, फिर भी वह खुद को एक ऐसे मोड़ पर पाती है जहाँ परिवार के लिए उसका प्यार और अन्याय को नजरअंदाज करने से उसका इकार आने-सामने आ जाते हैं। उसका सफर कोई तेज विद्रोह नहीं है; यह एक शांत लेकिन शक्तिशाली जागृति है — एक महिला का डर के बजाय गरिमा को चुनना। इस किरदार को निभाना मुझे भीतर तक झकझोर गया, क्योंकि वह उन सच्चाइयों को दर्शाती है जो कई घरों के कोनों में छिपी हुई हैं। मुझे सच में उम्मीद है कि 'चिरैया' हमें उन 'मानदंडों' पर रुककर दोबारा सोचने के लिए प्रेरित करेगी जिन्हें हमने बिना सवाल किए स्वीकार कर लिया है। अब समय आ गया है कि हम उन बातचीतों की शुरूआत करें जो पीढ़ियों से लविन हैं।'

संजय मिश्रा ने कहा,'चिरैया' को प्रभावशाली बनाती है इसकी ईमानदारी। यह किरदारों को नायक या एक्सनायक के रूप में प्रस्तुत नहीं करती, बल्कि ऐसे लोगों के रूप में दिखाती है जो अपनी मान्यताओं, परवरिश और समाज के निर्णय के डर से आकार लेते हैं। मुझे यह बहुत पसंद आया कि कहानी परिवारों के भीतर की असहज सच्चाइयों को सामने लाती है और यह दिखाती है कि खामोशी अक्सर अन्याय की सबसे बड़ी सहायक बन सकती है। 'चिरैया' की पूरी टीम के साथ काम करना मेरे लिए बहुत समृद्ध अनुभव रहा। दिव्या एक प्रशंसनीय कलाकार और बेहद शानदार अभिनेता हैं। इतनी संवेदनशीलता और गहराई के साथ ऐसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे को संबोधित करने वाली कहानी का हिस्सा बनना वास्तव में बहुत मायने रखता है।'

मूल में, 'चिरैया' मानवीय रिश्तों की कहानी है — एक-दूसरे को थोड़ा बेहतर समझने की, और दर्शकों को रुककर सोचने तथा कहानी से अपने स्वयं के अर्थपूर्ण संबंध बनाने के लिए प्रेरित करने की।'रश्मि एंटरटेनमेंट की ओर से बिजनेस हेड झ रश्मि अभिषेक डागा ने कहा,'चिरैया' के साथ हम हिंदी लॉन्ग-फॉर्म स्पेस में एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो असहज रोजमर्रा की बातचीत में जगह नहीं मिलती, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि ऐसी कहानियाँ ईमानदारी, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कही जाएँ। यह सीरीज इस विषय को संवेदनशीलता और सहायभूति के साथ



आईपीएल की तैयारी हुई तेज, सुपर जायंट्स टीम पहुंची लखनऊ

प्रीक्टिस कल सोमवार से शुरू हो रहा, यह कैप खिलाड़ियों को मैच की परिस्थितियों के लिए तैयार करने में मददगार होगा।

लखनऊ: (जीएनएस)। इंडियन

प्रीमियर लीग 2026 के आगामी सीजन के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (छरऋ) ने अपनी कमर कस ली है। टीम के कोचों और प्रमुख खिलाड़ियों का नवाबों के शहर लखनऊ में आगमन शुरू हो गया है।

सोमवार से टीम के सभी खिलाड़ी भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में अपने पहले अभ्यास सत्र की शुरूआत करेंगे। यह सत्र ग्लोबल क्रिकेट डायरेक्टर टॉम मूडी और मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के मार्गदर्शन में होगा।

ऋषभ पंत की कप्तानी में नई शुरूआत: आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तान

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा। इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के

भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के हाथों में होगी। ऋषभ पंत की कप्तानी में टीम इस बार अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम

दौरान पंत अपनी नई टीम के साथ तालमेल बिचारे नजर आएंगे। दिग्गज खिलाड़ियों से सजी टीम: इस सीजन में लखनऊ की टीम में एडन मार्करम, मिशेल मार्श, मोहम्मद

अनुभव और जोश इस बार मैदान पर बड़ी चुनौती पेश करने वाला है। कोचिंग स्टाफ और युवा प्रतिभाएं: अभ्यास सत्र के दौरान मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के साथ सहायक कोच लॉस क्वुज्जर भी खिलाड़ियों की तकनीक पर काम करेंगे। अभ्यास शिविर में मयंक यादव, हिम्मत सिंह, आकाश सिंह और मुकुल चौधरी जैसे युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए पसीना बहाएंगे। साथ ही अर्शीन कुलकर्णी, दिग्वेश सिंह और प्रिंस यादव जैसे उभरते सितारों पर भी प्रबंधन की विशेष नजर रहेगी। सोमवार से शुरू हो रहा यह कैप खिलाड़ियों को मैच की परिस्थितियों के लिए तैयार करने का मुख्य केंद्र होगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव-2026

शिरकत करेंगी। इनमें अभिनेता राजेश जैस, अभिनेता आदित्य श्रीवास्तव, अभिनेता प्रमोद पाठक, अभिनेत्री मीनाक्षी दीक्षित, अभिनेता जाकिर

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा। फिल्म

